मानकीकृत विकास और भवन विनियम, 2023

संदर्भ: *भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा 'मानकीकृत विकास और भवन विनियम, 2023' जारी किया गया है, जिसे विशेष प्रकाशन SP 73: 2023 में प्रकाशित किया गया है।*

- भारतीय मानक ब्यूरो ने हाल ही में अपना एक विशेष प्रकाशन SP 73: 2023 में संक्षेपित 'मानकीकृत विकास और भवन विनियम, 2023' जारी किया है।
- ये नियम भारत के राष्ट्रीय भवन निर्माण संहिता 2016 (NBC 2016) के अनुरूप हैं और वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं से प्रेरित हैं।
- **उद्देश्य और रूपरेखा:**
  - इन विनियमों ने निर्माण में सुरक्षा, पहुंच और स्थिरता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक व्यापक रूपरेखा तैयार की है।
  - सभी दस्तावेजों का उद्देश्य राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों (UT) और स्थानीय निकायों में विकास और भवन नियमों की एकरूपता को सुव्यवस्थित संरचना को सुनिश्चित करना है।
- **उत्पत्ति और विकास:**
  - इन मानकीकृत विनियमों की उत्पत्ति एक परियोजना में निहित है, जिसका उद्देश्य देश भर में NBC 2016 को अपनाना है।
  - हालांकि इस पहल में देश भर के मौजूदा नियमों और विनियमों का एक विस्तृत अध्ययन शामिल था, साथ ही भूमि और भवन विकास को नियंत्रित करने वाली अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं का तुलनात्मक विश्लेषण भी शामिल था।
  - इस हेतु देश भर में आयोजित विभिन्न कार्यशालाओं और चर्चाओं ने संदर्भित इनपुट और फीडबैक एकत्र किया, जिसे अंतिम दस्तावेज़ में एकीकृत किया गया।
  - यह मानकीकृत विनियम उपयोगकर्ता के अनुकूल दृष्टिकोण की अस्पष्टता को समाप्त कर एक निर्बाध प्रक्रिया सुनिश्चित करता है।
- **उपयोगकर्ता-अनुकूल विशेषताएं:**
  - स्पष्टता के लिए सरल भाषा में तैयार किए गए, ये विनियम अस्पष्टता को दूर करते हुए आसान समझ की सुविधा प्रदान करते हैं।
  - इसके साथ ही विभिन्न रूपों और जाँच सूचियों द्वारा इसमें शामिल की गई पूरक व्यापक सामग्री भी, आसान समझ की सुविधा प्रदान करती है।
  - इसमें प्रयुक्त चित्र और फ़्लोचार्ट सहित दृश्य चित्रण, मानवीय समझ को बढ़ाती है।
  - इसके व्याख्यात्मक नोट्स प्रमुख पहलुओं पर जोर देते हैं, और मानकीकृत क्रमांकन विभिन्न भाषाओं में अनुवाद को सरल बनाते हैं।
- **प्रमुख हितधारक:**
  - प्रमुख लाभार्थियों में आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (MoHUA), MoHUA के तहत टाउन एंड कंट्री प्लानिंग ऑर्गनाइजेशन (TCPO), राज्य और केंद्र शासित प्रदेश सरकारें, स्थानीय निकाय (LB), शहरी और ग्रामीण दोनों, विकास प्राधिकरण(DA), छावनी बोर्ड और बंदरगाह ट्रस्ट सहित जिला एवं ग्राम पंचायतें शामिल हैं।
- **अभिगम्यता उपाय:**
  - इन विनियमों की संरचना कई विकास प्रक्रिया का अनुसरण करती है, जिससे दस्तावेज़ मजबूत बन जाता है।
  - इसके प्रत्येक अध्याय की शुरुआत में उल्लिखित व्याख्यात्मक नोट्स उपयोगकर्ताओं को उसकी सामग्री के बारे में जागरूक करते हैं।
  - इस विनियम में, क्लॉज, सब-क्लॉज, टेबल, आंकड़े, अनुलग्नक इत्यादि को मानकीकृत तरीके से विधिवत क्रमांकित किया गया है।
  - आंकड़े और फ़्लोचार्ट जैसी दृश्य चित्रण व्याख्या को दृष्टिगत रूप से प्रदर्शित करती हैं।
  - विनियम यह भी सुनिश्चित करते हैं कि दूसरी अन्य अनुपयुक्त व्याख्याओं के बजाय नोट्स सभी संभावित अस्पष्टताओं को उजागर करते हैं।
  - इसमें सुरक्षा, स्थिरता और पहुंच से संबंधित NBC 2016 के प्रमुख प्रावधानों को विशेष रूप से शामिल किया गया है।
  - उपलब्ध दिशानिर्देशों और विनियमों पर विचार करते हुए इस क्षेत्र में नवीनतम विकास और प्रगति पर भी ध्यान दिया गया है।
- **कल्पित भविष्यगामी प्रभाव:**
  - यह दस्तावेज़ एक ऐसे भविष्य की कल्पना करता है, जहां नियामक निकाय अधिक पारदर्शी और कुशलता से काम करते हैं।
  - यह ऐसे तरीकों का भी प्रस्ताव करता है, जिसमें नियामक निकाय सत्यापन योग्य डेटा एकत्र करने के लिए सामान्य नियमों और विनियमों का उपयोग कर सकते हैं, कुशल सेवा वितरण के लिए सूचना प्रौद्योगिकी का लाभ उठा सकते हैं।
  - ये नियम व्यापार करने में आसानी पर सकारात्मक प्रभाव डालने, भारत में एक लचीले और स्थायी वातावरण के लिए आधार तैयार करने का कार्य करते हैं।

हाइपरसोनिक मिसाइलें

संदर्भ: *उत्तर कोरिया ने एक नई मध्यम दूरी की ठोस-ईंधन हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण किया। इससे यह उन्नत, पहचान में आसानी से नहीं आ सकने वाले लंबी दूरी के रॉकेटों की वैश्विक देशों की श्रेणी में शामिल हो गया।*

- **हाइपरसोनिक क्या है?**
  - किसी वाहन को हाइपरसोनिक के रूप में वर्णित करने का तात्पर्य यह है, कि यह ध्वनि की गति से कहीं अधिक तेज़ यात्रा करता है। यह गति सामन्यतः समुद्र तल पर 761 मील प्रति घंटे है।
  - यात्री जेट आम तौर पर 600 मील प्रति घंटे से कम की गति से यात्रा करते हैं, जबकि हाइपरसोनिक सिस्टम 3,500 मील प्रति घंटे (लगभग 1 मील प्रति सेकंड) और उससे अधिक की गति से यात्रा करते हैं।
  - हाइपरसोनिक सिस्टम का उपयोग वर्ष 1962 से किया जा रहा है, विशेष रूप से जब जॉन ग्लेन ने पृथ्वी के चारों ओर पहली अमेरिकी चालक दल की उड़ान से पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश किया था।
  - दुनिया के परमाणु शस्त्रागार में सभी अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलें (ICBM) हाइपरसोनिक हैं, जो अपने अधिकतम वेग पर लगभग 15,000 मील प्रति घंटे या लगभग 4 मील प्रति सेकंड की गति से प्राप्त करती हैं।
  - ICBM के विपरीत, हाइपरसोनिक मिसाइलों की नई पीढ़ी उतनी तेजी से यात्रा नहीं करती है, बल्कि इन्हें छोटे रॉकेटों की सहायता से लॉन्च किया जाता है। यह रॉकेट उन्हें वायुमंडल की ऊपरी सीमा तक ले जाता है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

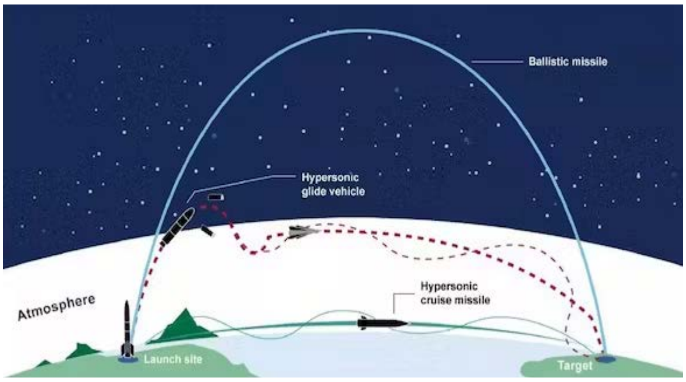

➢ **HSBs के प्रकार:**

- **हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल (HGB):** यह मिसाइल प्रारंभिक वॉरहेड बैलिस्टिक लॉन्च चरण के बाद उच्च गति पर वायुमंडल में आसानी से अपनी दिशा और स्थान बादल (पैंतरेबाज़ी कर) सकते हैं।
- **हाइपरसोनिक क्रूज़ मिसाइल:** क्रूज़ मिसाइलें उच्च गति प्राप्त करने के लिए स्क्रैमजेट जैसे वायु-श्वास इंजन का उपयोग करती हैं।
- **हाइपरसोनिक विमान:** उच्च गति यात्रा के लिए स्क्रैमजेट जैसे एयर ब्रीदिंग (वायु-श्वास) इंजन का उपयोग करता है।
- **गन फायरिंग तोप-प्रक्षेपित निर्देशित प्रोजेक्टाइल:** इसमें पारंपरिक तोपखाने या रेलगन जैसी नवीन प्रौद्योगिकियां शामिल हैं।
- **बैलिस्टिक मिसाइलें:** वायुमंडल में पुनः प्रवेश के दौरान ये मिसाइलें उच्च गति से यात्रा करती हैं।
- **हाइपरसोनिक एयर-टू-एयर मिसाइल (AAM):** AAM हवाई लक्ष्यों को रोकने के लिए स्क्रैमजेट जैसे एयर ब्रीदिंग इंजन का उपयोग करते हैं, जिसका उदाहरण विम्पेल आर-37 है।

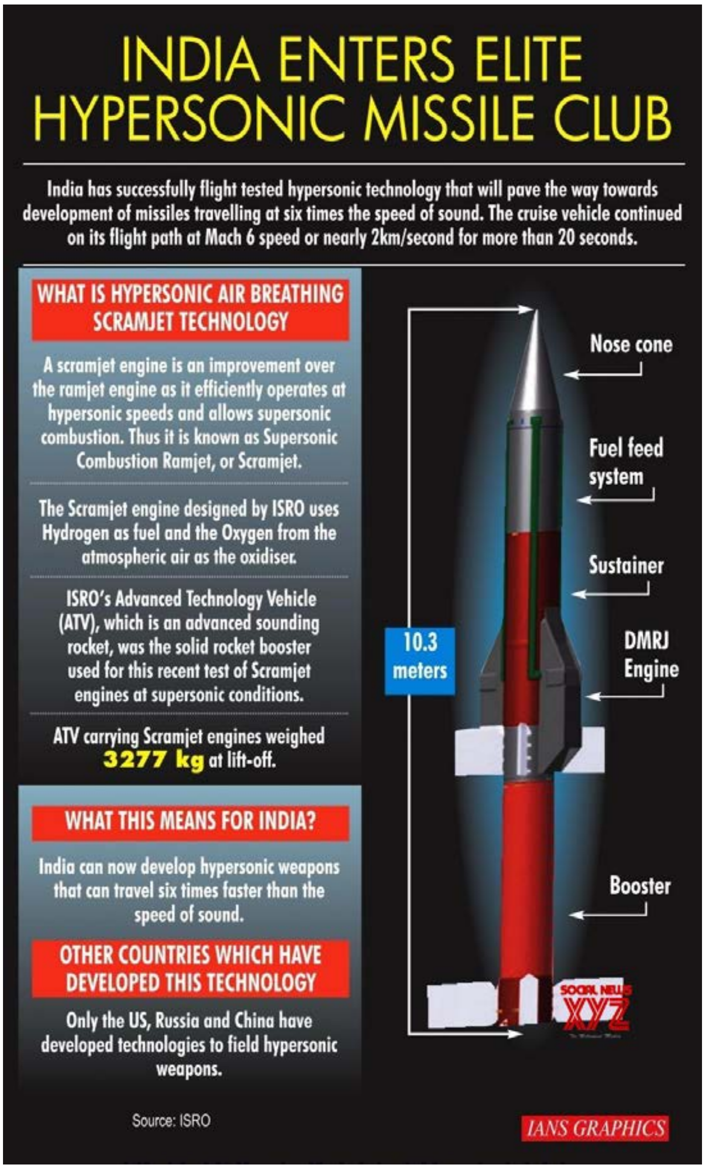

NEWS IN BETWEEN THE LINES

सौर नाव	भारत में पहली बार, अयोध्या में सरयू नदी पर सौर ऊर्जा से चलने वाली नाव चलाई जाएगी। **सोलर बोट के बारे में:** ▪ सौर नाव एक ऐसी नाव है जो सूर्य के प्रकाश को विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित करने के लिए सौर पैनलों और भंडारण बैटरियों का उपयोग करती है। ▪ विद्युत मोटरों और बैटरियों को सौर पैनलों और फोटोवोल्टिक सेलों द्वारा चार्ज किया जाता है, जो जीवाश्म ईंधन के उपयोग को काफी कम या समाप्त कर सकता है। ▪ यह ध्वनि रहित और शून्य उत्सर्जन के साथ पर्यावरण के अनुकूल है। ▪ यह गैस इंजन से जुड़े कंपन, शोर और ईंधन की बदबू की समस्या को भी समाप्त करती है। ▪ यह एक पर्यावरण-अनुकूल यात्री जल परिवहन है जिससे वायु, ध्वनि या जल प्रदूषण नहीं होता है। ▪ 1838 में, रूस में प्रोफेसर मोरित्ज़ जैकोबी ने 24 फीट लंबी, विद्युत चालित नाव का प्रयोग किया था। ▪ 1880 में, पेरिस के रसायनज्ञ गुस्ताव ट्रौवे ने एक हटाने योग्य विद्युत ऑसेनबॉर्डर का आविष्कार किया।
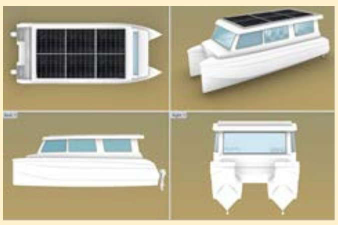	

भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव

INDIA INTERNATIONAL SCIENCE FESTIVAL 2023

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (IISF) 2023 का आयोजन किया जा रहा है।

भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव:

- 9 वें भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (IISF) 2023 को 17 जनवरी से 20 जनवरी, 2024 तक फरीदाबाद के क्षेत्रीय जैव प्रौद्योगिकी केंद्र में आयोजित किया जाएगा।
- इस विज्ञान महोत्सव का उद्देश्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अग्रणी क्षेत्रों में भारत की उपलब्धियों का उत्सव मनाना है।
- IISF 2023 का केंद्रीय विषय "अमृत काल में विज्ञान और प्रौद्योगिकी सार्वजनिक आउटरीच" है।
- इसमें संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया सहित 22 देश भाग ले रहे हैं।
- IISF 2023 के लिए मेजबान संस्थान हरियाणा के फरीदाबाद में स्थित क्षेत्रीय जैव प्रौद्योगिकी केंद्र (RCB) - ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (THSTI) है।

पक्के पागा हॉर्नबिल महोत्सव

हाल ही में घोषणा की गई है कि पाके पागा हॉर्नबिल महोत्सव का 9वां संस्करण अरुणाचल प्रदेश के पाके केसांग जिले के सेजोसा में 18-20 जनवरी, 2024 तक आयोजित किया जाएगा।

पाके पागा हॉर्नबिल महोत्सव के बारे में:

- पाके पागा हॉर्नबिल महोत्सव (पीपीएचएफ) अरुणाचल प्रदेश में वन्यजीव और प्रकृति संरक्षण को समर्थन देने के लिए सालाना आयोजित होने वाला तीन दिवसीय उत्सव है।
- 2015 से इसे अरुणाचल प्रदेश के राज्य उत्सव के रूप में मनाया जाता है।
- पाके पागा हॉर्नबिल महोत्सव 2024 का विषय 'डोमुतोह डोमुतोह, पगा हम डोमुतोह' है, जिसका अर्थ निशि भाषा में 'हमें अपने हॉर्नबिल बचाए रखने दो' है।
- यह उत्सव हॉर्नबिल संरक्षण पर केंद्रित है और हॉर्नबिल का प्रतिनिधित्व करता है, यह एक पक्षी है जिसे नागा सदियों से पूजते हैं।
- इस उत्सव के उद्देश्यों में हॉर्नबिल संरक्षण में निशि जनजाति की भूमिका को पहचानना और क्षेत्र के लिए वैकल्पिक आय स्रोत निर्मित करना शामिल है।
- यह अरुणाचल प्रदेश का एक संरक्षण उत्सव है जो वन्यजीव और प्रकृति संरक्षण को बढ़ावा देता है।

सुर्खियों में स्थल

नौरू

हाल ही में, नौरू ने एक-चीन सिद्धांत (one-China principle) के तहत पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना को मान्यता देने और ताइवान अधिकारियों के साथ राजनयिक संबंधों को तोड़ने की घोषणा की है।

नौरू (राजधानी: यारेन):

- **अवस्थिति :** माइक्रोनेशिया मे स्थित नौरू दुनिया का सबसे छोटा गणराज्य और दुनिया का तीसरा सबसे छोटा देश है, जो ऑस्ट्रेलिया के पूर्वोत्तर में स्थित है।
- **भौगोलिक सीमाएं:** यह द्वीप एक फ्रिंजिंग प्रवाल भित्ति से घिरा हुआ है, जो कम ज्वार में प्रकट होता है और पिननेकल्स से युक्त होता है। पड़ोसी द्वीप क्षेत्र किरिबाती सोलोमन और बनाबा हैं।
- **भौतिक विशेषताएं:** कमांड रिज नौरू का सबसे ऊंचा स्थान है। नौरू प्रशांत महासागर में फॉस्फेट रॉक से बना है। नौरू की जलवायु भूमध्य रेखा और महासागर के निकट होने के कारण साल भर गर्म और बहुत आर्द्र रहती है।

समाचारों में व्यक्तित्व

थिरुवल्लुवर

हाल ही में थिरुवल्लुवर दिवस के अवसर पर, तमिलनाडु के राज्यपाल ने भगवा वस्त्र पहने तमिल कवि-संत थिरुवल्लुवर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर और उन्हें 'भारतीय सनातन' परंपरा का संत बताकर एक विवाद को पुनर्जीवित कर दिया।

संत थिरुवल्लुवर के बारे में :

- थिरुवल्लुवर दिवस हर साल तमिलनाडु में 15 जनवरी या 16 जनवरी को पोंगल (या संक्रांति) समारोह के एक भाग के रूप में मनाया जाता है।
- पहला थिरुवल्लुवर दिवस 17 और 18 मई 1935 को मनाया गया था।
- थिरुवल्लुवर, जिन्हें वल्लुवर के नाम से भी जाना जाता है, एक तमिल कवि-संत और दार्शनिक थे।
- उन्हें धार्मिक और जातिगत सीमाओं से परे तमिलों के लिए एक सांस्कृतिक और नैतिक प्रतीक माना जाता है।
- उन्हें तिरुक्कुल या कुरल, नैतिकता, प्रेम और राजनीतिक और आर्थिक मामलों पर दोहों का संग्रह लिखने के लिए जाना जाता है।
- इसे तमिल साहित्य की एक अत्यधिक सम्मानित रचना मानी जाती है।
- तिरुवल्लुवर का प्राथमिक और प्रसिद्ध कार्य तिरुक्कुरल है, जिसमें 1,330 दोहे हैं।
- जो दोहे 10-10 दोहों के 133 खंडों में विभाजित हैं।
- पाठ को आगे तीन भागों में विभाजित किया गया है: धर्म, अर्थ और काम।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

समाचार में व्यक्तित्व के.बी. श्रीदेवी	**के.बी.श्रीदेवी (1 मई 1940-16 जनवरी 2024)** प्रसिद्ध मलयालम लेखिका के.बी.श्रीदेवी का जन्म केरल के मलप्पुरम के वेल्लाकट्टुमना में हुआ था। **योगदान:** ▪ के.बी.श्रीदेवी ने एज़ुथाचन मासिका, जयकेरलम और मातृभूमि जैसे प्रकाशनों के माध्यम से कई उपन्यास और लघु कथाएँ प्रकाशित कीं। ▪ उन्होंने महिलाओं और बच्चों के उत्थान के लिए एक महिला समाजम (महिलाओं का समूह) की स्थापना की इस समूह में 100 से अधिक सदस्य थे। ▪ उनके उपन्यास यज्ञम ने 1974 में कुंगुमम पुरस्कार जीता था। ▪ उनकी पोती रंजना के. ने यज्ञम पर आधारित एक लघु फिल्म बनाई थी। **पुरस्कार और सम्मान:** ▪ उन्होंने साहित्य में अपने योगदान के लिए केरल साहित्य अकादमी पुरस्कार जीता था। ▪ उन्होंने 1976 में निरामाला के लिए सर्वश्रेष्ठ कहानी के लिए केरल राज्य फिल्म पुरस्कार भी जीता। ▪ उन्हें देवीप्रसादम ट्रस्ट पुरस्कार, 2009 से सम्मानित किया गया

Points to Ponder

- हाल ही में खबरों में रही पुंगनूर गाय की का संबंध किस भारतीय राज्य से है? - **आंध्र प्रदेश**
- हाल ही में सुर्खियां बटोरने वाली अस्त्र मिसाइल किस श्रेणी की मिसाइल है? - **हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल**
- भारत में प्रतिवर्ष 'भारतीय सेना दिवस' कब मनाया जाता है? – **15 जनवरी**
- हाल ही में किस राज्य को कच्ची खरेक (खजूर) के लिए भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग प्रदान किया गया है? - **गुजरात**
- हाल ही में सुर्खियां बटोरने वाला सिनोमिकुरस गोरेई किस प्रजाति से संबंधित है? - **साँप**

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com